

## Padma Shri



### DR. LATA ANILCHANDRA DESAI

Dr. Lata Anilchandra Desai is a founding trustee of SEWA Rural and president of Sharada Mahila Vikas Society. Inspired by the lives of Mahatma Gandhiji and Swami Vivekanand, She her husband Dr. Anil Desai and SEWA Rural team dedicated their lives towards the holistic, integrated wellbeing of tribal communities in Gujarat in the field of health, women empowerment, education and poverty alleviation since 1980. Her motto in life is the salvation of individual self and well-being of all.

2. Born on 8<sup>th</sup> August, 1941, in a family of freedom fighters, Dr. Lata graduated from the B.J. Medical College, Ahmedabad, in 1965. A call from the Indian Army soon after the 1965 war invoked her and Dr. Anil's desire to serve the country and both joined the army. She and Anil went back to college to complete post-graduation in pediatrics and general surgery respectively. Subsequently, they went to the United States of America (USA) in pursuit of higher studies as well as to earn and stayed there from 1971 to 1979. She obtained the degrees of Diploma in American Board of Pediatrics and Fellow in American Academy of Pediatrics.

3. Dr. Lata, along group of like-minded companions established the Society for Education, Welfare and Action — Rural (SEWA — Rural) in 1980 in Jhagadia, a village in a relatively neglected tribal region of Bharuch district in Gujarat. SEWA Rural began with a small hospital, later added outreach health services and then educational and developmental activities for women and youth. Since 1980, 23 lakh patients have received high-quality treatment at the 250 bed SEWA Rural Hospital, 70% of which are treated free of cost. The community-based outreach programs improved the maternal mortality ratio by 75% and successfully rehabilitated blind persons. Various eye operations have restored vision for 1.25 lakh people. Young persons from 3500 poor families have received a year-long residential industrial training as well as character-building education after which 95% of these youths were provided with employment to help them rise from poverty.

4. Dr. Lata has been instrumental in empowering many deprived women through various economic and awareness programs through the Sharada Mahila Vikas Society. The adolescent empowerment program helped a large number of young people to become healthy and responsible citizens. In addition, thousands of health workers of over 150 organizations all over the world have been trained at health training centre. SEWA Rural's Research studies have been published in renowned international journals. SEWA Rural's project area is getting widened through a unique amalgamation of Service, Research, Training and Empowerment programs.

5. Dr. Lata, as founder of SEWA Rural has received more than 35 awards like Sasakawa Health Prize 1985 for outstanding innovative community health work from WHO, Geneva; MacArthur Award in 2007 for her pioneering work in saving the lives of mothers and their babies in India; "Public Health Champion" award in 2015 from WHO etc.

## पद्म श्री



### डॉ. लता अनिलचंद्र देसाई

डॉ. लता अनिलचंद्र देसाई "सेवा ग्रामीण" की संस्थापक ट्रस्टी और "शारदा महिला विकास सोसाइटी" की अध्यक्ष हैं। महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरित होकर, उन्होंने उनके पति डॉ. अनिल देसाई और "सेवा ग्रामीण" टीम ने 1980 के बाद से स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा और गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में गुजरात के आदिवासी समुदायों के समग्र, संपूर्ण कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। खुद की मुक्ति और सभी का कल्याण जीवन में उनका आदर्श वाक्य है।

2. 8 अगस्त, 1941 को स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार में जन्मी, डॉ. लता ने 1965 में बी.जे.मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद से ग्रेजुएशन की शिक्षा प्राप्त की। 1965 के युद्ध के तुरंत बाद भारतीय सेना के आह्वान ने उन्हें और डॉ. अनिल को देश सेवा की अपनी इच्छा पूरी करने के लिए प्रेरित किया और दोनों सेना में भर्ती हो गए। वे और डॉ. अनिल क्रमशः बाल रोग और सामान्य सर्जरी में अपना पोस्ट-ग्रेजुएशन पूरा करने के लिए कॉलेज वापस चले गए। इसके बाद, वे उच्च अध्ययन के साथ-साथ नौकरी करने अमेरिका (यूएसए) चले गए और 1971 से 1979 के बीच वहीं रहे। उन्होंने अमेरिकन बोर्ड ऑफ पीडियाट्रिक्स से डिप्लोमा और अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स से फेलो की डिग्री प्राप्त की।

3. डॉ. लता ने एक जैसी सोच वाले साथियों के एक समूह के साथ गुजरात में भरुच जिले के अपेक्षाकृत उपेक्षित आदिवासी इलाके के एक गांव झगड़िया में 1980 में "सोसाइटी फॉर एजुकेशन, वेलफेयर एंड एक्शन-रूरल (सेवा - ग्रामीण)" की स्थापना की। "सेवा ग्रामीण" की शुरुआत एक छोटे से अस्पताल से हुई, बाद में इसमें आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं और फिर महिलाओं व युवाओं के लिए शैक्षिक तथा विकास संबंधी गतिविधियों को शामिल किया गया। 1980 से, 23 लाख मरीजों ने 250 बिस्तरों वाले सेवा ग्रामीण अस्पताल में उत्तम उपचार का लाभ उठाया है, जिसमें से 70% का इलाज निःशुल्क किया जाता है। समुदाय आधारित आउटरीच कार्यक्रमों ने मातृत्व संबंधी मृत्यु के अनुपात को 75% बेहतर बनाया और नेत्रहीन व्यक्तियों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया। विभिन्न नेत्र ऑपरेशनों में 1.25 लाख लोगों को दृष्टि मिल गई है। 3500 गरीब परिवारों के युवाओं ने एक साल के आवासीय औद्योगिक प्रशिक्षण के साथ-साथ चरित्र निर्माण की शिक्षा प्राप्त की है, जिसके बाद इनमें से 95% युवाओं को गरीबी से ऊपर उठने में मदद करने के लिए रोजगार प्रदान किया गया।

4. डॉ. लता ने शारदा महिला विकास सोसायटी के जरिये कई आर्थिक और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से बहुत-सी वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किशोर सशक्तीकरण कार्यक्रम ने बड़ी संख्या में युवाओं को स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद की। इसके अलावा, दुनिया भर में 150 से अधिक संगठनों के हजारों स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है। "सेवा ग्रामीण" के शोध अध्ययन प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। सेवा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और सशक्तीकरण कार्यक्रमों के अनूठे मेल से "सेवा ग्रामीण" का प्रोजेक्ट एरिया बढ़ रहा है।

5. 'सेवा ग्रामीण' के संस्थापक के रूप में, डॉ. लता को डब्ल्यूएचओ, जिनेवा से उत्कृष्ट इनोवेटिव सामुदायिक स्वास्थ्य कार्य के लिए सासाकावा स्वास्थ्य पुरस्कार, 1985; भारत में माताओं और शिशुओं के जीवन को बचाने में अग्रणी कार्य के लिए 2007 में मैकआर्थर अवार्ड; डब्ल्यूएचओ से 2015 में "पब्लिक हेल्थ चैंपियन" पुरस्कार, आदि सहित 35 से अधिक पुरस्कार मिल चुके हैं।